लोक सभा

अतारांकित प्रश्नड संख्या5405

27 अप्रैल, 2015 को उत्त5र के लिए

भारतीय इस्पात प्राधिकरण के संयंत्र

5405. श्री विजय कुमार हांसदाक:
श्री राम टहल चौधरी:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (एसएआईएल) झारखंड सहित राज्य-वार, पूरे देश में अपने विभिन्न संयंत्रों के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए 95,000 करोड़ रुपए से अधिक निवेश करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या फर्टीलाइजर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआईएल) जो कि एसएआईएल की सहायक कंपनी है, की सिंदरी इकाई के पुनरूद्धार का प्रस्ताव है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार की उक्त इकाई हेतु आवश्यक भूमि को किस प्रकार अधिगृहीत करने की योजना है; और
(घ) सिंदरी स्थित एफसीआईएल की सहायता के लिए सरकार की क्या भावी योजना है?

उत्त)र

इस्पातत और खान राज्यईमंत्री **(श्री विष्णुप देव साय)**

(क) और (ख) : स्टीरल अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने वर्तमान चरण मे अपनी क्रूड इस्पापत उत्पातदन क्षमता को 12.8 एमटीपीए से बढ़ाकर 21.4 एमटीपीए करने के लिए भिलाई (छत्तीणसगढ़) , बोकारो (झारखड), राउरकेला (ओडिशा), दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल) और बर्नपुर(पश्चिम बंगाल) स्थित अपने पांचों एकीकृत इस्पाखत संयंत्रों तथा सेलम (तमिलनाडु) स्थित विशेष इस्पामत संयंत्र का आधुनिकीकरण एवं विस्ता र कार्य आरंभ किया है। आधुनिकीकरण एवं विस्ताार कार्य के वर्तमान चरण का संकेतक निवेश 61870 करोड़ रुपए है। इसके अतिरिक्त , विद्यमान खानों में निवेश के लिए 10264 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। इसमें फर्टिलाईजर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एफसीआईएल) की सिंदरी यूनिट का पुनरूद्धार शामिल नहीं है। सेल न्यूिनतम 3247 एकड़ सटी हुई और अतिक्रमणमुक्त भूमि की अनुलब्धनता के कारण सिंदरी प्लांट के पुनरूद्धार पर कार्रवाही नहीं कर सका।

(ग) और (घ) : सरकार सिंदरी यूनिट के पुनरूद्धार में तेजी लाने की व्य।वहार्यता का पता लगाते समय समय गेल की जगदीशपुर-हल्दिया पाईपलाईन (जेएचपीएल) के मार्ग में सिंदरी यूनिट को सहायता प्रदान करके इसके पुररूद्धार के वैकल्पिक रूट पर विचार कर रही है , ताकि सिंदरी यूनिट की वर्तमान अवसंरचना को बढ़ाया जा सके और गैस का इस्तेरमाल हो सके।

*****